LJ-1105

B.A. (Part-III)

Term End Examination, 2021

HINDI LITERATURE

Paper - I

जनपदीय भाषा-साहित्य (छत्तीसगढ़ी)

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 75

[*Minimum Pass Marks* : 25

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

---

1. निम्नलिखित पद्यांशों/गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 7×3

(क) गुरू पइयाँ लागंव नाम लखा दीजो हो।

जनम-जनम का सोया मनुवा, सब्दन मार जगा दीजो हो।

घट अंधियार नैन नहीं सुझे, ज्ञानका दीप जगा दीजो हो।

विष की लहर उठत घट अंतर, अमृत बूँद चुवाय दीजो हो।

गहिरी नदिया अगम बोहाय, खेय के पार लगा दीजो हो।

धर्मदास की अरज गुसाई, अब की बार लगाय दीजो हो।

अथवा

दशहरा के ये सुध्घर तिथि आद्यातेच सुहावना समें में पड़थय। ये वो समे होथे जब बरसा रितु के धड़धड़ात गरजन शरद रितु के डर से डर में भागे लागथे। अकास सुच्य अउ मौसम सुखत होथय। मारग बिन पाखी के हो जाथै, जेखर ले जात्रा करियन व्यापारी मन ला जातरा करे में अड़चन नइ परस। व्यापारी मन के उखर धन्धा कारोबार के सिटी गनेस यही सुभ-बेला में होथय। खेतिहर किसान अपन खेतन मं बीजहा बोये के काम यही दिना ले सुरू कर देथय।

(Continued)

(ख) जम्मो साथ चुरौना बोरेंब, एक साथ के खातिर में।

एक दिसा के उड़त परेवा, ठींया ला अमरा लेथे॥

उन्खर तिट ओथे के पहिली, सुन ले कौसल गोठ हमर

बड़े-बड़े मछरी मन, छोटे मछरी मन ला खा लेथे।

अथवा

दू हाथ बढ़ाये आघू, हो जाथे जम्मों काज रे।
बूता सुरू हो जाथे, जब ले लेथस अनताज रे।
जांगर पेरे तौ भुइयां म अनपूरना के राज रे।
देहं जुड़ाही झटकुन, परिही जब जोरहा धाम रे।

(ग) नवरात मनइया मन नव दिन ले उपास रहिथसी ऊँखर विश्वास हे कि समै जऊन अनुष्ठान होथय तेकर बड़ा फायदा होथय। काहे के, संयम मं रहे के कारन, आने वाला कष्ट व्याधि से अनुष्ठान करइया बचे रहिथय, जेखर कारन किसम के

(Turn Over)

रोग-राई के समाप्ति हो जाथय। खराब हवा ल बने खाती हवन सबले बढ़िया उपाय आय। येखरे सेती हमार जुग्ना रिसी मुनी मन येखर बर जादा जोर दिये है।

अथवा

तँय उठथस सुरज उथे, सुसताथस होथे साम रे।
रात घलो हो जाथे, जब लेथस बने अराम रे
जउन पानी ल तँय छूथस, वो गंगाजल हो जाथे रे।
जउन लकड़ी ल तँय धरथस, तुतारी हल हो जाथे रे।
जउन बीजा ला तँय छूथस, हो जाथे सुघ्घर पेड़ रे।
जउन रसदा ले रेंगथस वन जाथे वोहर पेड़ रे।

2. संत काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों को दृष्टिगत रखते हुए धर्मदास के पदों की विवेचना कीजिए। 12

अथवा

सोनपान निबंध के आधार पर छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल में मनाए जाने वाले विजयदशमी पर्व की तुलना कीजिए।

3. 'सीख-सीख के गोठ' पाठ का व्यावहारिक महत्व स्पष्ट कीजिए। 12

अथवा

छत्तीसगढ़ी गद्य साहित्य के विकास यात्रा पर निबंध लिखिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 5×3

(क) पं. सुन्दरलाल शर्मा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

(ख) कपिलनाथ कश्यप के काव्य के भावपक्ष की विशेषताएँ

(ग) छत्तीसगढ़ी लोकमंच के विकास में रामचन्द्र देशमुख का योगदान

(घ) विनय कुमार पाठक का साहित्यिक योगदान

(ङ) मुकुन्द कौशल के गजलों का भावपक्ष

5. निम्नलिखित अति लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×15

(क) 'फूलबासन' में किसकी गाथा है?

(ख) एक छत्तीसगढ़ी पत्रिका का नाम बताइए।

(ग) 'हल्बी' में लिखे जाने वाले एक कवि का नाम लिखिए।

(घ) 'फोकट' शब्द का हिन्दी रूप लिखिए।

(ङ) 'टोकरी भर मिट्टी' किसकी कृति है?

(च) द्वारिका प्रसाद मिश्र की प्रमुख रचनाएँ लिखिए।

(छ) 'चंदा अमरित बरसाइस' किसकी रचना है?

(ज) परदेशी राम वर्मा के प्रगतिशील उपन्यास का क्या नाम है?

(झ) 'करम छड़हा' नाटक का केन्द्रीय पात्र कौन है?

(ञ) 'खूब तमाशा' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(ट) 'कोठी-भरथान' में कौन सा समास है?

(ठ) 'गाड़ी' का बहुवचन शब्द बनाइए।

(ड) छत्तीसगढ़ी में 'मेघदूत' का अनुवाद किसने किया?

(ढ) 'छत्तीसगढ़ी भाषा का उदविकास' ग्रन्थ के लेखक कौन हैं?

(ण) हरि ठाकुर के एक प्रसिद्ध रचना का नाम लिखिए।

———